SAMPLE QUESTION PAPER
ECONOMICS (030)
Class XI (TERM II) 2021-22

Time: 2 Hours

MM: 40

General Instructions:

- This is a Subjective Question Paper containing 13 questions.

- This paper contains 5 questions of 2 marks each, 5 questions of 3 marks each and 3 questions of 5 marks each.
- 2 marks questions are Short Answer Type Questions and are to be answered in 30-50 words.
- 3 marks questions are Short Answer Type Questions and are to be answered in 50-80 words.
- 5 marks questions are Long Answer Type Questions and are to be answered in 80-120 words.
- This question paper contains Case/Source Based Questions.

सामान्य निर्देश:

- यह एक विषयात्मक प्रश्न पत्र है जिसमें 13 प्रश्न हैं।
- इस प्रश्न पत्र में 2 अंक के 5 प्रश्न हैं, 3 अंक के 5 प्रश्न हैं और 5 अंक के 3 प्रश्न हैं।
- 2 अंक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न हैं और जिनका उत्तर 30-50 शब्दों में देना है।
- 3 अंक के प्रश्न भी लघु उत्तरीय प्रश्न हैं और इनका उत्तर 50-80 शब्दों में दिया जाना है।
- 5 अंकों के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं और जिनका उत्तर 80-120 शब्दों में दिया जाना है।
- इस प्रश्न पत्र में केस/स्रोत आधारित प्रश्न हैं।

Q.No.	QUESTIONS	MARKS
1.	Write formulas to calculate standard deviation by direct method and shortcut method. प्रत्यक्ष विधि और लघु विधि द्वारा मानक विचलन की गणना करने के लिए सूत्र लिखिए।	2
2.	Standard deviation of a series is 3.2 and mean of the same series is 6, calculate coefficient of variance. एक श्रृंखला का मानक विचलन 3.2 है और उसी श्रृंखला का माध्य 6 है, विचरण गुणांक की गणना करें। OR Write-down any two merits and demerits of standard deviation. मानक विचलन के कोई दो गुण और दोष लिखिए।	2 2
3.	Give two example of positive correlation. धनात्मक सहसम्बन्ध के दो उदाहरण दीजिए। OR Draw a scatter diagram showing high degree of positive correlation. उच्च कोटि के धनात्मक सहसंबंध को दर्शाने वाला एक प्रकीर्णन आरेख बनाइए।	2
4.	When 5 units of goods are sold, total revenue is B 100. When 6 units of same goods sold, total revenue is 106. Calculate MR of 6th unit. जब वस्तु की 5 इकाइयाँ बेची जाती हैं, तो कुल राजस्व 100 रुपये होता है। जब उसी वस्तु की 6 इकाइयाँ बेची जाती हैं, तो कुल राजस्व 106 रूपये होता है। छठी इकाई के सीमान्त आगम की गणना करें।	2

5.	Firms demand curve as a horizontal straight line under perfect competition shows that an individual producer has no control over price of this product. Do you agree with this statement? Explain. पूर्ण प्रतियोगिता बाज़ार में मांग वक्र क्षैतिज सीधी रेखा के रूप में होता है जो यह प्रदर्शित करता है की निर्माता का इस उत्पाद की कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? व्याख्या करे। OR Perfect competition is no competition. How? पूर्ण प्रतियोगिता में कोई प्रतियोगिता नहीं है। कैसे?	2
6.	Why does the difference between average total cost (ATC) and average variable cost (AVC) decreases with an increase in level of output? Can these two be equal at some level of output? Explain. उत्पादन के स्तर में वृद्धि के साथ औसत कुल लागत (ATC) और औसत परिवर्तनीय लागत (AVC) के बीच का अंतर क्यों घटता है? क्या ये दोनों उत्पादन के किसी स्तर पर बराबर हो सकते हैं? व्याख्या कीजिये ।	3
7.	Explain any three factors causing a left side shifting of supply curve of a commodity. किसी वस्तु के आपूर्ति वक्र के बायीं ओर खिसकने के किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए। OR How does change in state of technology affect the supply curve? तकनीकि स्तर में परिवर्तन आपूर्ति वक्र को कैसे प्रभावित करता है?	3
8.	Explain three important features of perfect competition. पूर्ण प्रतियोगिता बाज़ार के तीन महत्वपूर्ण विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।	3

Read the following text carefully and answer question number 9 and 10 given below:

Importance of Index Number and Consumer price index

Index numbers are indispensable tools of economics and business analysis. Following are the main uses of index numbers.

(i) Index numbers are economic barometers. Index numbers measure the level of business and economic activities and are therefore helpful in gauging the economic status of the country. Index number is a special type of averages which helps to measure the economic fluctuations on price level, money market, economic cycle like inflation, deflation etc.

(ii) Index numbers helps in formulating suitable economic policies and planning etc. Many of the economic and business policies are guided by index numbers. For example, while deciding the increase of DA of the employees; the employers have to depend primarily on the cost of living index. If salaries or wages are not increased according to the cost of living it leads to strikes, lock outs etc. The index numbers provide some guide lines that one can use in making decisions.

(iii) Index numbers are used in studying trends and tendencies. Since index numbers are most widely used for measuring changes over a period of time, the time series so formed enable us to study the general trend of the phenomenon under study.

(iv) Index numbers are useful in forecasting future economic activity. Index numbers are used not only in studying the past and present workings of our economy but also important in forecasting future economic activity.

(v) Index numbers measure the purchasing power of money. The cost of living index numbers determine whether the real wages are rising or falling or remain constant. The real wages can be obtained by dividing the money wages by the corresponding price index and multiplied by 100. Real wages helps us in determining the purchasing power of money

Consumer price index -A consumer price index (CPI) measures changes in the price level of a basket of consumer goods and services purchased by households. CPI measures changes in the price level for the specified consumers in the particular region. CPI can be calculated for industrial workers, urban labours, Agricultural workers etc. Suppose the CPI for agricultural workers with base year of 2000 is 560 in the April 2012.It means that if the agricultural worker was spending 100 in 2000 for a typical basket of commodities, he needs 560 in April 2012 to be able to buy an identical basket of commodities. CPI only indicates the capability to buy it. It may be noted that there cannot be one CPI for any class or group of the whole country as the retail prices in different places differ. Similarly, we cannot have a cost of living index number for the whole population of a particular town because there exists different group of persons in the town purchasing different baskets of commodities.

$$\text{Cost of Living Index} = \sum WR / \sum W$$

where $R = P1/P0*100$, and W are the weights

Table No.1

Commodity	Quantity (in Units) 2000	Price(B) 2000	Price (B) 2012
A	100	8	12
B	25	6	7.50
C	10	5	5.252
D	20	48	52
E	25	15	16.5
F	30	9	27

निम्नलिखित पाठ को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्न संख्या 9 और 10 के उत्तर दें:

सूचकांक संख्या और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का महत्व

सूचकांक अर्थशास्त्र और व्यापार विश्लेषण के अनिवार्य उपकरण हैं। सूचकांक का प्रमुख उपयोग निम्नलिखित हैं।

(i) सूचकांक आर्थिक बैरोमीटर हैं। सूचकांक व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के स्तर को मापते हैं और इसलिए देश की आर्थिक स्थिति का आकलन करने में सहायक होते हैं। सूचकांक एक विशेष प्रकार का औसत है जो मूल्य स्तर, मुद्रा बाजार, आर्थिक चक्र जैसे मुद्रास्फीति, अपस्फीति आदि पर आर्थिक उतार-चढ़ाव को मापने में मदद करता है।

(ii) सूचकांक उपयुक्त आर्थिक नीतियां और योजना आदि तैयार करने में मदद करता है। कई आर्थिक और व्यावसायिक नीतियां सूचकांको द्वारा निर्देशित होती हैं। उदाहरण के लिए, कर्मचारियों के महगाईभत्ता में वृद्धि का निर्णय करते समय; नियोक्ताओं को मुख्य रूप से जीवन निर्वाह सूचकांक की लागत पर निर्भर रहना पड़ता है। यदि जीवन यापन की लागत के अनुसार वेतन या मजदूरी में वृद्धि नहीं की जाती है तो कर्मचारी हड़ताल, तालाबंदी आदि शुरू कर देते है। सूचकांक कुछ दिशानिर्देश प्रदान करते हैं जिनका उपयोग निर्णय लेने में किया जा सकता है।

(iii) प्रवृत्तियों के अध्ययन में सूचकांक का उपयोग किया जाता है। चूंकि समय की अवधि में परिवर्तनों को मापने के लिए सूचकांक का सबसे व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, इस प्रकार बनाई गई समय श्रृंखला हमें अध्ययन के तहत घटना की सामान्य प्रवृत्ति का अध्ययन करने में सक्षम बनाती है।

(iv) सूचकांक भविष्य की आर्थिक गतिविधि के पूर्वानुमान में उपयोगी होती है। सूचकांक का उपयोग न केवल हमारी अर्थव्यवस्था के अतीत और वर्तमान कामकाज का अध्ययन करने के लिए किया जाता है, बल्कि भविष्य की आर्थिक गतिविधियों के पूर्वानुमान में भी महत्वपूर्ण है।

(v) सूचकांक से मुद्रा की क्रय शक्ति को भी मापते हैं। निर्वाह सूचकांक की लागत यह निर्धारित करती है कि वास्तविक मजदूरी बढ़ रही है या गिर रही है या स्थिर बनी हुई है। वास्तविक मजदूरी, मौद्रिक मजदूरी को संबंधित मूल्य सूचकांक से विभाजित करके और 100 से गुणा करके प्राप्त की जा सकती है। वास्तविक मजदूरी हमें मुद्रा की क्रय शक्ति निर्धारित करने में मदद करती है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) घरों द्वारा खरीदी गई उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की एक टोकरी के मूल्य स्तर में परिवर्तन को मापता है। सीपीआई विशेष क्षेत्र में निर्दिष्ट उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्तर में परिवर्तन को मापता है। सीपीआई की गणना औद्योगिक श्रमिकों, शहरी मजदूरों, कृषि श्रमिकों आदि के लिए की जा सकती है। मान लीजिए कि 2000 के आधार वर्ष वाले कृषि श्रमिकों के लिए सीपीआई अप्रैल 2012 में 560 है। इसका मतलब यह है कि यदि कृषि श्रमिक 2000 में एक विशिष्ट टोकरी के लिए 100 खर्च कर रहा था उन्ही वस्तुओं की एक समान टोकरी खरीदने में सक्षम होने के लिए उसे अप्रैल 2012 में 560 की आवश्यकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वह टोकरी खरीद ले। सीपीआई केवल इसे खरीदने की क्षमता को दर्शाता है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि पूरे देश के किसी भी वर्ग या समूह के लिए एक सीपीआई नहीं हो सकता क्योंकि अलग-अलग जगहों पर खुदरा कीमतें अलग-अलग होती हैं। इसी तरह, हमारे पास किसी विशेष शहर की पूरी आबादी के लिए जीवन यापन सूचकांक की लागत नहीं हो सकती है क्योंकि शहर में अलग-अलग वस्तुओं की टोकरी खरीदने वाले व्यक्तियों का अलग-अलग समूह मौजूद है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक = $WR / \sum W$

जहाँ $R = P1/P0*100$, और W भार हैं

Table No.1

Commodity	Quantity (in Units) 2000	Price(B) 2000	Price (B) 2012
A	100	8	12
B	25	6	7.50
C	10	5	5.252
D	20	48	52
E	25	15	16.5

F	30	9	27

9.	Explain importance of Index Number. सूचकांक के महत्व की व्याख्या करें।	3
10.	Calculate consumer Price Index (CPI) with help of data given in table no.1 तालिका संख्या 1 में दिए गए आंकड़ों की सहायता से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की गणना करें	3
11.	From the following, calculate coefficient of correlation between the X and Y variables by using Karl Pearson's methods. निम्नलिखित में से कार्ल पियर्सन की विधियों का उपयोग करके X और Y चर के बीच सहसंबंध के गुणांक की गणना करें	5
12.	Explain the likely behavior of Total Production and Marginal Product when for increasing production only one input is increased while all other inputs are kept constant. Use schedule and figure to explain. कुल उत्पादन और सीमांत उत्पाद के संभावित व्यवहार की व्याख्या करें जब उत्पादन बढ़ाने के लिए केवल एक आगत को ही बढ़ाया जाता है जबकि अन्य सभी आगतों को स्थिर रखा जाता है। समझाने के लिए अनुसूची और आकृति का प्रयोग करें।	5
13.	Define price Ceiling. What is the common purpose for the price ceiling imposed by the government? Explain any one likely consequence of this nature of intervention by the government in the price determination process. उच्चतम कीमत को परिभाषित कीजिए। सरकार द्वारा निर्धारित की गई उच्चतम कीमत का सामान्य उद्देश्य क्या है? मूल्य निर्धारण प्रक्रिया में सरकार द्वारा इस प्रकार के हस्तक्षेप के किसी एक संभावित परिणाम की व्याख्या कीजिए। OR Define floor price .What is the common purpose of fixation of floor price by the government? Explain any one likely consequence of this nature of intervention by the government. न्यूनतम कीमत को परिभाषित करें। न्यूनतम कीमत के निर्धारण का सामान्य उद्देश्य क्या है? सरकार द्वारा हस्तक्षेप की इस प्रकृति के किसी एक संभावित परिणाम की व्याख्या करें।	5

X	10	6	9	10	12	13	11	9
Y	9	4	6	9	11	13	8	4